शासकीय नवीन महाविद्यालय कुटरू

और

धुर्वाराव माड़िया शासकीय महाविद्यालय, भैरमगढ़ बीजापुर

संयुक्त रूप से आयोजन

"भारतीय ज्ञान परंपरा: अतीत की विरासत, वर्तमान की प्रासंगिकता, और भविष्य की दिशा"

पर

दो दिवसीय नेशनल सेमीनार

24- 25 फरवरी 2026

(हाइब्रिड मोड)

प्रायोजक

संस्कृति विभाग रायपुर, छत्तीसगढ़

सह-प्रायोजक

डिपार्टमेंट ऑफ़ हायर एजुकेशन, छत्तीसगढ़

कॉलेजों के बारे में: धुर्वाराव माड़िया शासकीय महाविद्यालय, भैरमगढ़ बीजापुर, भैरमगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग 63 पर है, और गवर्नमेंट नवीन कॉलेज कुटरू – ज़िला बीजापुर, छत्तीसगढ़, यह राज्य सरकार का स्नातक कॉलेज है। यह बस्तर के आदिवासी इलाके में उच्च शिक्षा का केंद्र हैं , जो स्थानीय विद्यार्थियों को कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह कॉलेज शहीद महेंद्र कर्मा यूनिवर्सिटी (पूर्व नाम बस्तर यूनिवर्सिटी), जगदलपुर से जुड़ा हुआ है, और इसका उद्देश्य छात्रों में अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा देना है जो उनके पूरे बौद्धिक, नैतिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा दे। एक दूर-दराज के आदिवासी इलाके में होने के बावजूद, यह महाविद्यालय गांव और पिछड़े समुदायों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने, उन्हें कौशल युक्त बनाने और भविष्य के मौकों का फायदा उठाने में मदद करने में अहम भूमिका निभाता है। यह महाविद्यालय परिसर एक सहयोगात्मक और सबको साथ लेकर चलने वाले माहौल पर भी ज़ोर देता है, जो मूल्य-आधारित गतिविधि, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम और छात्रों के प्रवेश को बढ़ावा देता है।

सेमिनार के बारे में: "भारतीय ज्ञान परंपरा: अतीत की विरासत, वर्तमान की प्रासंगिकता और भविष्य की दिशा" पर सेमिनार का मकसद भारत की हज़ारों सालों में बनी विशाल और पूर्ण ज्ञान परंपराओं को जानना है । सेमिनार में इस बात को प्रेरित करेगा कि भारतीय ज्ञान परंपरा वेद, उपनिषद, पुराण, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद, योग और क्लासिकल साहित्य जैसे पुराने ग्रंथों में गहराई से जुड़ा हुआ है, जो मिलकर भारत की बौद्धिक, वैज्ञानिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक विरासत को दिखाते हैं।

सेमिनार के दौरान, आज के समय में, खासकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नैतिकता, गणित, खगोल विज्ञान, वास्तुशास्त्र और शासन आदि के क्षेत्रों में भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर चर्चा की जाएगी। कैसे योग, आयुर्वेद, पंचायत सिस्टम, टिकाऊ खेती और मूल्यों पर आधारित शिक्षा जैसी पारंपरिक प्रथाएं तनाव, पर्यावरण की गिरावट और सामाजिक असंतुलन जैसी आधुनिक चुनौतियों का समाधान करती हैं।

सेमिनार भारतीय ज्ञान प्रणालियों की भविष्य की दिशा के बारे में भी जानकारी देंगे, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में विचार किए गए आधुनिक विज्ञान, टेक्नोलॉजी और शैक्षिक पाठ्यक्रम के साथ उनके जुड़ाव पर ज़ोर दिया जाएगा। इसमे छात्रों और शोधार्थियों को आत्मनिर्भरता, स्थिरता और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी ज्ञान का इस्तेमाल करके पढ़ाई करने, उसे बचाकर रखने और नए-नए आविष्कार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कुल मिलाकर, सेमिनार एक संतुलित समाज बनाने में भारतीय ज्ञान प्रणालियों के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करेगा और भाग लेने वाले प्रतिभागियों को देश के भविष्य में सार्थक योगदान देने के लिए भारत के पारंपरिक ज्ञान से फिर से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्य उद्देश्य:

1. भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत और बुनियादी सिद्धांतों को समझना और उनकी सराहना करना।
2. आज की सामाजिक, पर्यावरण और शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में भारतीय ज्ञान परंपरा की अहमियत को बताना।
3. आयुर्वेद, योग, पारिस्थितिकी, नैतिकता और देसी विज्ञान जैसी पारंपरिक भारतीय प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
4. भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा, शोध और नवोन्मेष के साथ जोड़ने के लिए बढ़ावा देना।
5. स्टूडेंट्स और जानकारों को आने वाली पीढ़ियों के लिए देसी और पारंपरिक ज्ञान को बचाकर रखने, डॉक्यूमेंट करने और बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना।

शोध पत्र आमंत्रण: हम सेमिनार के विषय और उप-विषय, या किसी भी दूसरे मिलते-जुलते शीर्षक पर अकादमिक, पेशेवर, इंडस्ट्री के लोगों और शोधार्थियों से शोध पत्र प्रस्तुतीकरण के लिए आमंत्रित करते हैं। प्रतिभागी को 3-5 बीज शब्द (key words) के साथ एक शोध सारांश (300 शब्दों से ज़्यादा नहीं) और पूरा पेपर (5000 शब्दों से ज़्यादा नहीं) इंग्लिश और हिंदी में जमा करना होगा। पेपर MS Word में साफ-साफ टाइप किया हुआ होना चाहिए, जिसमें टाइम्स न्यू रोमन, 12-पॉइंट फॉन्ट साइज़ (हिन्दी के लिए 14) , 1.5-लाइन स्पेसिंग हो, और A4-साइज़ पेपर पर फॉर्मेट किया हुआ हो। कृपया सुनिश्चित करें कि शोध सारांश और शोध पत्र दोनों में आपका नाम, पदनाम, संस्था का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल एड्रेस शामिल हो। चुने गए शोध पत्र को ISBN-नंबर के साथ बुक में पब्लिश किए जाएंगे।

उप-विषय

1. वैदिक दार्शनिक एवं संज्ञान विज्ञान
2. ऐतिहासिक एवं सभ्यता विज्ञान
3. सामाजिक एवं सांस्कृतिक विज्ञान
4. गणित, भौतिक एवं खगोलीय विज्ञान
5. वाक् एवं भाषाविज्ञान
6. राजनीति, अर्थ एवं रणनीतिक विज्ञान
7. भेषज एवं आरोग्य विज्ञान
8. खाद्य, पोषण एवं औषध विज्ञान
9. कृषि एवं पशुपालन विज्ञान
10. प्रदर्शन कला (गंधर्व विज्ञान)
11. यांत्रिक एवं अभियांत्रिकी विज्ञान
12. वास्तु एवं स्थापत्य विज्ञान
13. चित्र एवं मूर्तिकला
14. रसायन एवं धातु विज्ञान
15. अलंकरण एवं आंतरिक सज्जा
16. शिक्षण एवं क्रीड़ा विज्ञान

शोध सारांश और शोध पत्र जमा करने के लिए ईमेल आईडी: iksseminar2627@gmail.com

नोट: ऑनलाइन पेपर प्रेजेंटेशन की अनुमति होगी।

रजिस्ट्रेशन लिंक:
https://forms.gle/WmPaJzksSKLxp9Q87

Important Dates:

पंजीकरण की प्रारम्भिक तिथि: 08-Feb-26

पंजीकरण की अंतिम तिथि: 22-Feb-26

शोध सारांश जमा करने की आखिरी तारीख: 22-Feb-26

शोध सारांश स्वीकृति की अधिसूचना: 23-Feb-26

शोध पत्र जमा करने की आखिरी तारीख: 22-Feb -26

पोस्टर प्रदर्शनी: इस राष्ट्रीय सेमीनार मे पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी , जिसमे UP, PG के छात्र भाग ले सकते है और इसमे प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा।

मौखिक और PPT प्रस्तुतीकरण: सम्मेलन मे प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों मे से निर्णायक मण्डल द्वारा चयनित तीन सर्वश्रेष्ठ शोध पत्रों को क्रमश प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

आयोजक:

1. श्री गोपी राम ठाकुर - 7999053742
2. श्री आकाश त्रिपाठी- 9335811891

सह-आयोजक:

1. श्री महेश कुमार नाग- 9131366362
2. श्री मानकू राम कोवासी-7987303882

सलाहकार समिति:

डॉ. ए. के. श्रीवास्तव (अतिरिक्त निदेशक, उच्च शिक्षा, बस्तर क्षेत्र)

डॉ. अजय कुमार सिंह (प्राचार्य, शासकीय VYT PG महाविद्यालय, दुर्ग)

डॉ. अमर सिंह साहू (प्राचार्य, पी. जी. महाविद्यालय, बीजापुर)

डॉ. अंजना ठाकुर (प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय अर्जुनी)

डॉ. ए. के. दीक्षित (प्राचार्य, शासकीय इंद्रवती महाविद्यालय, भोपालपटनम्)

डॉ. सुचित्रा गुप्ता (प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनन्दगाँव)

डॉ. त्रिलोक देव (सहायक प्राध्यापक, शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनन्दगाँव)

डॉ. रामेश्वर निषाद (सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय गुंडरदेही)

डॉ. विवेक शर्मा (प्राचार्य, शासकीय कन्या महाविद्यालय, दातेवाड़ा)

डॉ. यू. के. साहू (सहायक प्राध्यापक)

डॉ. धवल गुप्ता (सहायक प्राध्यापक)

श्री रामयश प्रजापति (सहायक प्राध्यापक)

आयोजन सचिव:

1. श्री स्वरूप राम नायक
2. श्री प्रबुद्ध रंगारे
3. श्री प्रवीण जांगड़े
4. सुश्री श्यामबती बघेल

आयोजन समिति:

श्री होमेन्द्र

सुश्री करूणा वर्मा

श्री अजीत कन्नौजिया

श्री उमाकांत साहू

सुश्री प्रज्ञा सोनी

सुश्री प्राची दाम्बले

श्री सुखेंद्र प्रताप साकेत

श्री वासुदेव

श्री राजेश मांडवी

सुश्री रीना कंवर

श्री अविनाश पटेल

सुश्री शोभना कश्यप

श्री राकेश कुमार ताती

पंजीयन शुल्क:

प्राध्यापक-₹300 मात्र

शोध छात्र- ₹200 मात्र

छात्र- ₹100 मात्र

Payment Details

A/C NO.- 41235662735
A/C HOLDER- GOVT. NAVEEN COLLEGE BHAIRAMGARH
IFSC- SBIN0005492

Scan here Q R Code for payment

प्रख्यात वक्ता

Prof. Ashish Kumar Singh
Department of Chemistry
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
Bilaspur, Chhattisgarh

Dr. Ashish Singh
Assistant Professor
Department of Chemistry
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya,
Bilaspur, Chhattisgarh

Dr. Anil Kumar Shrivastava
Principal, Govt. Kaktiya PG College Jagdalpur
Additional Director, Bastar Division
Higher Education, Chhattisgarh

Dr. Bhaskaran
Assistant Professor
HNB Garhwal University, Srinagar,
Uttarakhand, India

Dr. Dakeshwar Verma
Assistant Professor
Department of Chemistry
Govt. Digvijay PG Auto. College,
Rajnandgaon, Chhattisgarh

Dr. Bharat Lal Sahu
Assistant Professor
Department of Chemistry
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya,
Bilaspur, Chhattisgarh

Dr. Shailendra Yadav
Professor
AKS University, Satna 485001,
Madhya Pradesh, India

आयोजक

Principal & Patron
Mr. Gokul Ram Nishad

Convenors

Mr. Gopi Ram Thakur
Assistant Professor
Govt. Naveen College, Kutru
District Bijapur, C.G.
79990 53742

Mr. Akash Tripathi
Assistant Professor
Dhurwarao Madiya Govt. College,
Bhairamgarh District Bijapur, C.G.
93358 11891

Co-Convenors

Mr. Mahesh Kumar Nag
Assistant Professor
Dhurwarao Madiya Govt.
College, Bhairamgarh District
Bijapur, C.G, 89597 12310

Mr. Mankoo Ram Kowasi
Assistant Professor (GL)
Govt. Naveen College,
Kutru District Bijapur, C.G.
79873 03882

भैरमगढ़ के निकटतम पर्यटक स्थल

1. नाम्बी जलप्रपात – 100 किमी.
2. चित्रकोट जलप्रपात – 80 किमी.
3. तीरथगढ़ जलप्रपात – 100 किमी.
4. कोटमसर गुफा – 100 किमी.
5. बारसूर एतिहासिक स्थल – 35 किमी.
6. इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान – 20 किमी.
7. भैरमगढ़ वन्यजीव अभयारण्य – 10 किमी.
8. ढोलकाल पहाड़ी – 20 किमी.

1

2

3

4

5

6

7

8

हमारे अतिथि